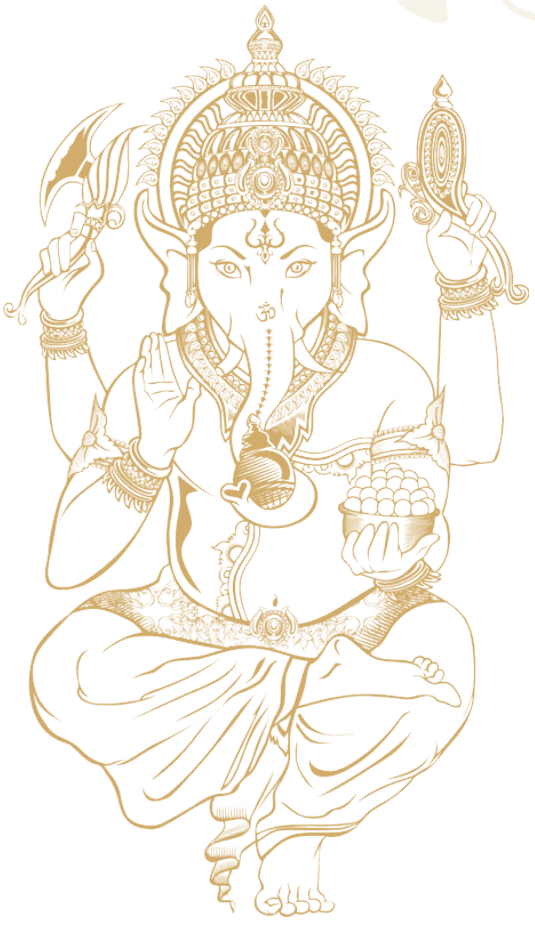

Anuj sharma

Pratiksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121627103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/04/1997	जन्म तिथि	28-29/04/1997
गुरुवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 19:58:00	जन्म समय	03:00:00 घंटे
घटी 34:37:29	जन्म समय(घटी)	53:14:22 घटी
India	देश	India
Agra	स्थान	Agra
27:09:00 उत्तर	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
78:00:00 पूर्व	रेखांश	78:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:00	स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:07:00	सूर्योदय	05:42:15
18:35:35	सूर्यास्त	18:49:14
23:49:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:09

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 1मा 19दि	08:51:50	तुला	लग्न	कुंभ	18:39:11	सूर्य 4वर्ष 11मा 7दि
गुरु	20:03:13	मीन	सूर्य	मेष	14:48:01	राहु
23/05/2020	26:52:57	मक	चंद्र	धनु	29:01:41	06/04/2019
23/05/2036	26:40:25	सिंह व	मंगल	सिंह	22:55:36	06/04/2037
गुरु 11/07/2022	08:50:01	मेष	बुध व	मेष	09:08:27	राहु 17/12/2021
शनि 22/01/2025	21:39:07	मक	गुरु	मक	25:25:53	गुरु 12/05/2024
बुध 29/04/2027	20:19:00	मीन	शुक्र	मेष	21:36:39	शनि 19/03/2027
केतु 04/04/2028	16:53:28	मीन	शनि	मीन	19:59:25	बुध 05/10/2029
शुक्र 04/12/2030	04:52:33	कन्या	राहु व	कन्या	04:07:08	केतु 24/10/2030
सूर्य 23/09/2031	04:52:33	मीन	केतु व	मीन	04:07:08	शुक्र 24/10/2033
चन्द्र 22/01/2033	14:12:55	मक	हर्ष	मक	14:46:11	सूर्य 17/09/2034
मंगल 28/12/2033	05:55:08	मक	नेप	मक	06:08:10	चन्द्र 18/03/2036
राहु 23/05/2036	11:35:45	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:06:24	मंगल 06/04/2037

लग्न-चलित

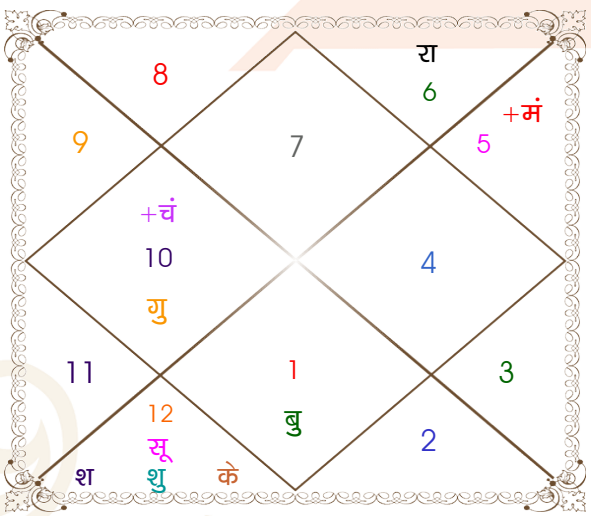

लग्न-चलित

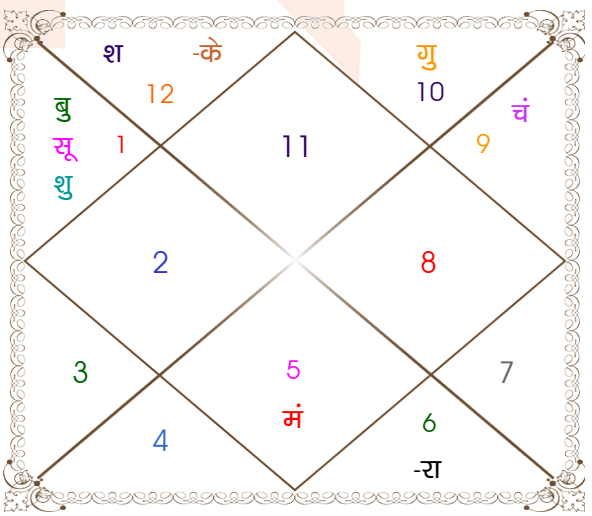

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Anuj sharma का वर्ग मार्जार है तथा Pratiksha का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Anuj sharma और Pratiksha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Anuj sharma मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Pratiksha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Anuj sharma कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Anuj sharma तथा Pratiksha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।